Development of adventure tourism in the country

3635. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to refer to the reply to Starred Question 196 given in the Rajya Sabha on 21-7-92 and state:

(a) what is the amount of funds which have been provided to the States and utilisation made with physical progress in developing infrastructure for adventure tourism; and

(b) how the partcipation of youth is proposed to be encouraged in adventure tourism in the country?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) During 1991-92 the Central Government had released funds to the tune of Rs. 254.53 lakhs to different States/Union Territories for purchase of equipment for (i) Winter|water Sports (ii) Mountaineering and (iii) Trekking and Golf Tourism under "Adventure Tourism". The funds are released in instalments depending upon the proper utilisation and physical progress made by the States/Union Territories for development of infrastructure for adventure tourism.

(b) By giving adventure sports equipment to States/Union Territories, the youth of the country is encouraged and exposed to various adventure sports. Department of Tourism also supports various events like Adventurt Camps, Raillies etc. organised by States/Union Territroes which involves active participation of the youths.

रत्नागिरि विमानपत्तन से विमान सेवा

8636. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल :**

डा० श्रीकांत रामचन्द्र जिचकर :

श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिन्दे :

श्री शिवाजीराव गिरिधर पाटिल :

क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रत्नागिरि विमानपत्तन की हवाई पट्टी का विस्तार किया जा चुका है ;

(ख) यदि हां, तो यहां से वायदूत एवं अन्य विमान सेवाएं कब से उपलब्ध कराये जाने की संभावना है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) । (क) रत्नागिरि हवाई अड्डा महाराष्ट्र सरकार का है जिसने एअरो प्रकार के विमानों के परिचालन के लिए रत्नागिरि की हवाई पट्टी का विस्तार कार्य पूरा कर लिया है ।

(ख) और (ग) वाणिज्यिक और परिचालनात्मक कारणों से, वायदूत के लिए रत्नागिरि को पुनः सेवा चालू करना संभव नहीं है । तथापि, हवाई टैक्सी प्रचालक देश में रत्नागिरि सहित उन सभी हवाई अड्डों के लिए परिचालन करने के लिए स्वतंत्र हैं जो अनसूचित प्रचालनों के लिए खुले हैं ।

"ओपेन स्काई" नीति के अधीन प्रचालन परमिट का नवीकरण

8637. **डा० बापू कालदाते** । क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सच है कि सरकार का "ओपन स्काई" नीति के अधीन प्रचालन परमिट का प्रतिवर्ष नवीकरण कराया जाना होता है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि नियमों की जटिलता और परमिट का प्रतिवर्ष